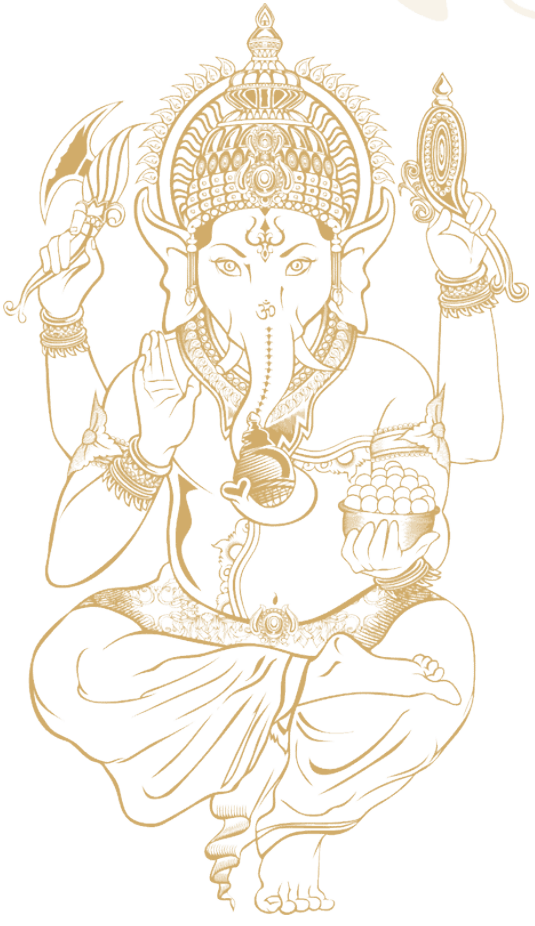

Gaurav Pandey

Vandana Tiwari

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121434301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121434301 Date: 28/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/12/1997	जन्म तिथि	25/10/2002
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:32:00	जन्म समय	18:25:00 घंटे
घटी 09:55:59	जन्म समय(घटी)	31:24:47 घटी
India	देश	India
Samastipur	स्थान	Azamgarh
25:52:00 उत्तर	अक्षांश	26:03:00 उत्तर
85:47:00 पूर्व	रेखांश	83:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:13:08	स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:33:36	सूर्योदय	06:01:44
17:06:15	सूर्यास्त	17:21:00
23:49:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:29

कुम्भ	लग्न	मेष
शनि	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मकर	राशि	वृष
शनि	राशि-स्वामी	शुक्र
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	मृगशिरा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	1
व्याघात	योग	परिघ
कौलव	करण	बालव
जा-जामवंत	जन्म नामाक्षर	वे-वैशाली
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
नकुल	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 2वर्ष 2मा 23दि		23:43:59	कुंभ	लग्न	मेष	28:31:00	मंगल 6वर्ष 3मा 22दि	
राहु		15:43:24	धनु	सूर्य	तुला	08:02:35	राहु	
26/03/2017		05:02:21	मक	चंद्र	वृष	24:38:32	16/02/2009	
26/03/2035		16:18:59	मक	मंगल	कन्या	12:21:52	17/02/2027	
राहु	07/12/2019	24:13:05	वृश्चि	बुध	कन्या	25:26:25	राहु	30/10/2011
गुरु	01/05/2022	28:15:22	मक	गुरु	कर्क	21:44:55	गुरु	25/03/2014
शनि	07/03/2025	09:43:30	मक व	शुक्र व	तुला	17:29:01	शनि	29/01/2017
बुध	25/09/2027	19:54:22	मीन	शनि व	मिथु	05:00:47	बुध	18/08/2019
केतु	12/10/2028	18:35:29	सिंह व	राहु	वृष	15:10:58	केतु	05/09/2020
शुक्र	13/10/2031	18:35:29	कुंभ व	केतु	वृश्चि	15:10:58	शुक्र	05/09/2023
सूर्य	06/09/2032	13:14:57	मक	हर्ष व	कुंभ	01:03:24	सूर्य	30/07/2024
चन्द्र	08/03/2034	05:05:12	मक	नेप	मक	14:18:38	चन्द्र	29/01/2026
मंगल	26/03/2035	12:54:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:57:20	मंगल	17/02/2027

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:40 चित्रपक्षीय अयनांश **23:53:29**

लग्न-चलित

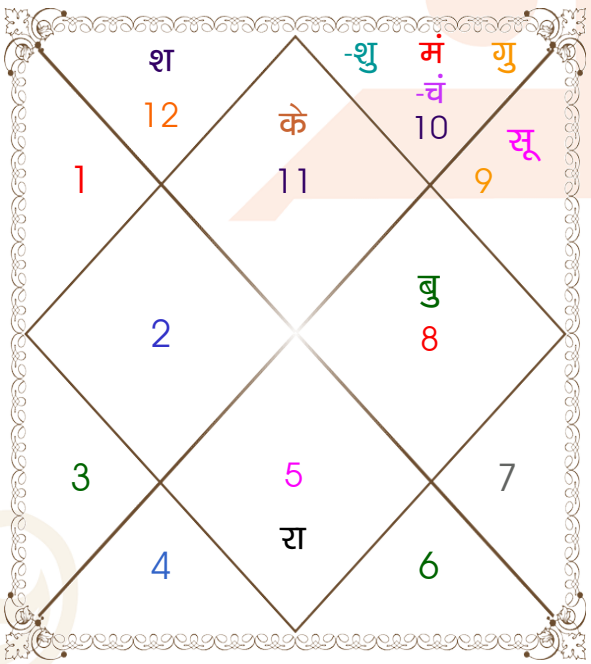

लग्न-चलित

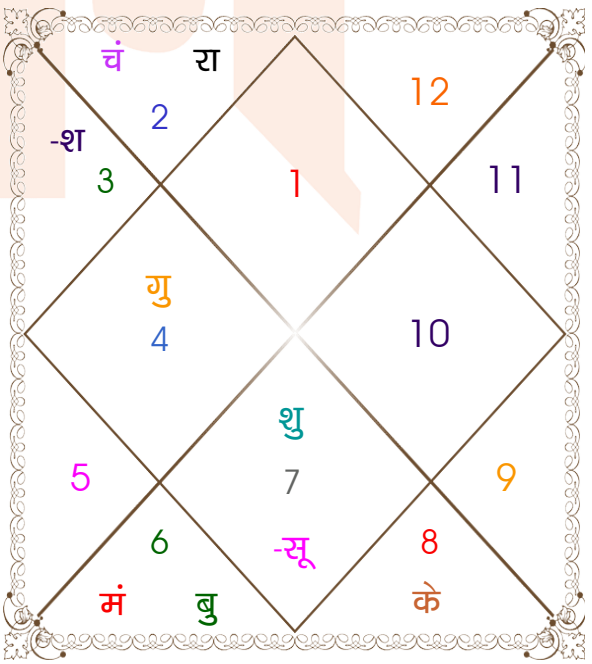

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सर्प	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

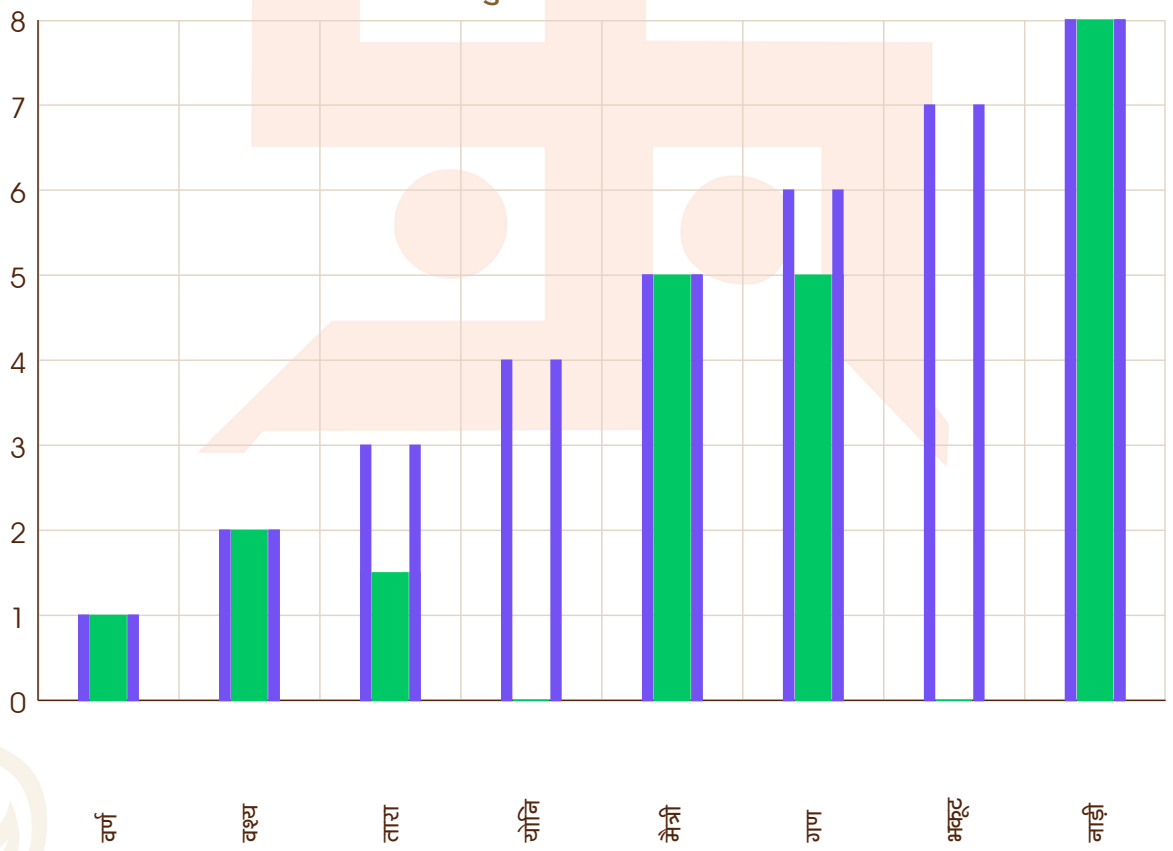

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ळंनतंअ च्ंदकमल का वर्ग सिंह है तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ळंनतंअ च्ंदकमल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळंनतंअ च्ंदकमल कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ळंनतंअ च्ंदकमल कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ट्ंदकंदं ज्पूंतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ट्ंदकंदं ज्पूंतप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळंनतंअ च्ंदकमल तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ळंनतंअ च्ंदकमल का वर्ण वैश्य है तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

ळंनतंअ च्ंदकमल का वश्य चतुष्पद है एवं ट्ंदकंदं ज्पूंतप का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप ळंनतंअ च्ंदकमल एवं ट्ंदकंदं ज्पूंतप दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

ळंनतंअ च्ंदकमल की तारा मित्र तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप की तारा विपत है। ट्ंदकंदं ज्पूंतप की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान ळंनतंअ च्ंदकमल एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि ट्ंदकंदं ज्पूंतप का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

ळंनतंअ च्ंदकमल की योनि नकुल है तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप की योनि सर्प है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा

समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ळंनतंअ च्ंदकमल एवं ट्ंदकंदं ज्पूंतप दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ळंनतंअ च्ंदकमल एवं ट्ंदकंदं ज्पूंतप के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ळंनतंअ च्ंदकमल एवं ट्ंदकंदं ज्पूंतप जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ळंनतंअ च्ंदकमल का गण मनुष्य तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में ट्ंदकंदं ज्पूंतप सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर ळंनतंअ च्ंदकमल व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण ळंनतंअ च्ंदकमल अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

ळंनतंअ च्ंदकमल से ट्ंदकंदं ज्पूंतप की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप से ळंनतंअ च्ंदकमल की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण ट्ंदकंदं ज्पूंतप को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

ळंनतंअ च्ंदकमल की नाड़ी अन्त्य है तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ळंनतंअ च्ंदकमल की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप की राशि भी पृथ्वीतत्व युक्त वृष है। अतः समान तत्व होने के कारण ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप के मध्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा उनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान शुभ रहेगा।

ळंनतंअ च्ंदकमल की राशि का स्वामी शनि तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव विद्यमान होगा तथा सुख दुख में भी एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे । इससे आपसी संबंधों में सुदृढ़ता के भाव की वृद्धि होगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुख शानति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा ।

ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप की राशियां परस्पर पंचम तथा नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह की अपेक्षा विरोध तथा वैमनस्य रहेगा। साथ ही अंहकार के कारण एक दूसरे से अपने को श्रेष्ठ समझते हुए उपेक्षा करेंगे। इस प्रवृति से संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा अन्यत्र वैवाहिक जीवन में कष्ट तथा समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अतः यदि ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप बुद्धिमता एवं सामंजस्य की प्रवृति का पालन करें तो अशुभ प्रभावों में कमी आ सकती है।

ळंनतंअ च्ंदकमल का वश्य जलचर तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप का वश्य चतुष्पद है। जलचर तथा चतुष्पद में नैसर्गिक मित्रता के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होती रहेगी।

ळंनतंअ च्ंदकमल एवं ट्ंदकंदं ज्पूंतप का वर्ण वैश्य है। अतः इसके प्रभाव से दोनों की रूचि धनार्जन संबधी कार्यो में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही कार्य क्षमताएं समान होने के कारण स्थिति शुभ एवं अनुकूल रहेगी।

धन

ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप की तारा सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। इन पर भकूट का प्रभाव भी सम ही होगा लेकिन ळंनतंअ च्ंदकमल पर मंगल का अशुभ प्रभाव रहेगा जिसके प्रभाव से समय समय पर आर्थिक उतार चढ़ाव का सामना

कर सकते है। साथ ही लाभ एवं आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे।

इसके अतिरिक्त ळंनतंअ च्ंदकमल की प्रवृति अनावश्यक रूप से व्यय करने की भी होगी जिसका आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अतः उन्हें चाहिए कि अनावश्यक व्यय की इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें तभी उनकी आर्थिक स्थिति अनुकूल रह सकती है।

स्वास्थ्य

ळंनतंअ च्ंदकमल की नाड़ी अन्त्य तथा ट्ंदकंदं ज्पूंतप की नाड़ी मध्य है। अतः नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा परन्तु मंगल का ट्ंदकंदं ज्पूंतप के स्वास्थ्य पर विशेष अशुभ प्रभाव रहेगा। इससे वे रक्त या पित संबधी परेशानियां प्राप्त करेंगी तथा गुप्त या धातु संबधी रोगों का भी उन्हें सामना करना पड़ सकता है। साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी कष्ट की अनुभूति करेंगी। अतः इन प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए ट्ंदकंदं ज्पूंतप को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ट्ंदकंदं ज्पूंतप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ट्ंदकंदं ज्पूंतप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ट्ंदकंदं ज्पूंतप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ळंनतंअ च्ंदकमल और ट्ंदकंदं ज्पूंतप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ट्ंदकंदं ज्पूंतप के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत ट्ंदकंदं

ज्पूंतप के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

टंदकंदं ज्पूंतप अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार टंदकंदं ज्पूंतप के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

ळंनतंअ च्ंदकमल के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को ळंनतंअ च्ंदकमल अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी ळंनतंअ च्ंदकमल के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण ळंनतंअ च्ंदकमल के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।